टिप्पणी

6

समाचार

आप सभी समाचारपत्र जरूर पढ़ते होंगे। क्या आपने सोचा है कि इसे समाचारपत्र क्यों कहते हैं? क्योंकि इसमें समाचार होते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि ये समाचार कहाँ से प्राप्त होते हैं? समाचार हमें अनेक माध्यमों से प्राप्त होते हैं। आप रेडियो पर समाचार सुनते हैं, टेलीविजन चैनल पर भी समाचार दिखाए जाते हैं, समाचारपत्रों में इसे पढ़ा जाता है तथा कम्प्यूटर इंटरनेट पर इसे हम प्राप्त कर सकते हैं। समाचार हमारे जीवन में प्रतिदिन प्राप्त होता है।

समाचार बनता कैसे है? इस संदर्भ में जॉन बोगार्ड का यह कथन महत्वपूर्ण है कि यदि कुत्ता आदमी को काटता है तो यह समाचार नहीं है क्योंकि यह सामान्य घटना है जो अक्सर घटती है। लेकिन अगर कोई आदमी किसी कुत्ते को काट ले तो यह समाचार है क्योंकि यह एक 'असामान्य' घटना है। सामान्य स्थितियों में उपरोक्त कथन सत्य है लेकिन कभी–कभी सामान्यता यानी कुत्ते द्वारा आदमी को काटना भी समाचार होता है। जैसे यदि एक प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता को कुत्ता काट ले तो वह निश्चित तौर पर समाचार है क्योंकि लोगों की उत्सुकता इसमें बढ़ जाती है।

यह कहा जाता है कि NEWS शब्द के चार अक्षर चार दिशाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं:–

North	(उत्तर)
East	(पूर्व)
West	(पश्चिम)
South	(दक्षिण)

इससे स्पष्ट होता है कि समाचार चारों दिशाओं से आते हैं। समाचार समसामयिक घटनाक्रम की रिपोर्ट होता है, जो भी नया घटता है, परिवर्तन होता है, वह बात जो हम पहले से नहीं जानते हैं समाचार कहलाता है।

टिप्पणी

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद आप निम्नलिखित कर सकेंगेः—

- समाचार को परिभाषित करना;
- सूचना तथा समाचार में अन्तर;
- समाचार तथा उसके मूल्यों की व्याख्या;
- समाचार के विविध प्रकार स्पष्ट करना;
- समाचार की विश्वसनीयता के महत्व की चर्चा;
- समाचार के स्रोतों का प्रस्तुतीकरण।

6.1 समाचार की परिभाषा

समाचार किसी समसामयिक घटनाक्रम की रिपोर्ट है। यह किसी हाल ही में घटित हुए अथवा जल्द ही घटित होने वाले तथ्य/घटना आदि की सूचना है। समाचारपत्र, रेडियो, टीवी या इंटरनेट समसामयिक घटनाओं की जो रिपोर्ट देते हैं वह समाचार है। समाचार वह है जो पहले से ज्ञात नहीं था। उपरोक्त आधार पर हम कह सकते हैं कि समाचार पिछले 24 घंटों में घटित घटनाओं का विकासक्रम है जिसके बारे में लोगों को पता नहीं होता है, जिसमें अधिसंख्य लोगों की रुचि होती है अथवा वह उनके लिए महत्त्वपूर्ण होती है। आइए इसे हम कुछ उदाहरणों से समझें।

आपने रेडियो पर एक समाचार सुना कि एक ट्रेन दुर्घटना में 20 लोगों की मौत हो गयी। आप इसे ऐसी सूचना के रूप में लेते हैं जिसका आपके लिए विशेष महत्व नहीं है। बहुत सारी दुर्घटनाएँ जगह–जगह होती रहती हैं। लेकिन कुछ समय बाद आपको पता चलता है कि जिस कंपार्टमेंट के यात्री दुर्घटना का शिकार हुए हैं वे आपके गाँव से थे। अब आप ज्यादा सचेत हो जाते हैं। यह समाचार आपके लिए महत्वपूर्ण हो जाता है। आप यात्रियों का हाल जानने के लिए परेशान हो जाते हैं। क्या वे सुरक्षित हैं? किसे चोट लगी? कौन लोग हॉस्पिटल ले जाये गये आदि बातें भी आप जानना चाहते हैं।

टिप्पणी

पंजाब में ट्रेन दुर्घटना में 34 लोगों की मौत

14 दिसम्बर, 2004

पंजाब के होशियारपुर जिले में दो यात्री ट्रेनों की आमने–सामने टक्कर में 34 लोगों की मौत हो गयी। दुर्घटना में पचास लोगों के घायल होने की खबर है। दुर्घटना जालंधर से लगभग 40 किलोमीटर दूर मानसर नामक स्थान पर मंगलवार दोपहर को जम्मूतवी–अहमदाबाद एक्सप्रेस तथा पठानकोट मल्टीपल यूनिट डीजल पैसेंजर के मध्य टक्कर से हुई।

सूत्रों के अनुसार उत्तर रेलवे के जालंधर–पठानकोट रेलखंड की इकहरी लाइन पर दोनों ट्रेनों को ग्रीन सिग्नल दे दिया गया। पठानकोट पैसेन्जर को बंगारा तथा अहमदाबाद एक्सप्रेस को चाक कलां से लाइन क्लीयर होने का संकेत दिया गया था।

उत्तर रेलवे के जनरल मैनेजर सतीश मोहन वैश के अनुसार निश्चित है कि उपरोक्त दो में से एक स्टेशन इसके लिए जिम्मेदार हैं। जालंधर संभाग के डी आई.जी. परमजीत सिंह सराहो ने एनडीटीवी इंडिया को घटनास्थल से बताया कि यहाँ से 28 शवों को बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि घायलों को मुकेरियां के सिविल हॉस्पिटल तथा पठानकोट आर्मी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। राज्य के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने राज्य विधानसभा में दिए बयान में हताहतों की संख्या पचास बताई है।

6.1: दुर्घटना समाचार

संसद में प्रस्तुत होने वाले संघीय बजट से आपको कोई खास मतलब नहीं होता है। लेकिन बजट प्रस्तुत करते समय जब वित्त मंत्री पेट्रोलियम उत्पादों के दामों में बढ़ोतरी की घोषणा करते हैं तब अचानक आपकी रुचि समाचार में बढ़ जाती है। आप जानना चाहते हैं कि बढ़ोतरी कितनी हुई। क्या यह आपकी जेब को प्रभावित करेगी? रसोई गैस के दामों में कितना इजाफा हुआ? अचानक यह समाचार आपके लिए महत्वपूर्ण हो जाता है।

बजट 2008: मुख्य बातें

5 दिसम्बर, 2007

बजट संक्षेप

वर्ष 2008 अर्थव्यवस्था के 3% के मध्यम दर से बढ़ने का अनुमान है। वित्तमंत्री ने बताया कि यह बजट ऐसे समय में प्रस्तुत किया गया है जब वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता का माहौल है। साथ ही फायनेंसियल मार्केट में अस्थिरता और घरेलू निर्माण परिक्षेत्र में गिरावट का माहौल है। वित्तमंत्री ने कहा कि अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत है तथा वह संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे जिससे आगे विकास में स्थिरता बरकरार रहे। उन्होंने यह भी कहा कि ''भविष्य में संतुलित विकास के लिए निवेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।''

बजट में उल्लिखित प्रमुख राजकोषीय लक्ष्य:

- सार्वजनिक वर्तमान व्यय 53 बिलियन होगा– 1.7 बिलियन की बढ़ोतरी।
- समेकित खर्च में वृद्धि–8.6%
- सकल घरेलू खर्च में 8.2% की वृद्धि।
- पूँजी खर्च में 12% की वृद्धि–सन 2008 में पूँजी निवेश में 8.6 बिलियन पौंड खर्च होंगे।
- सन 2008 में सरकार का सामान्य घाटा 0.9% रहने का अनुमान।
- सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में कुल घाटा लगभग 26% रहने का अनुमान है जो विकसित देशों में कम में से एक है।
- वर्ष 2008 में 24,000 नये रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा कार्य की कुल संख्या में 1% वृद्धि का अनुमान है।

6.2: बजट प्रस्ताव

टिप्पणी

आपके चुनाव क्षेत्र में वोटों की गिनती हो रही है। राज्य विधानसभा के लिए चुनाव हो रहे हैं। वोटों की गिनती के साथ ही कौन आगे है इसकी जानकारी के लिए आप उत्सुक हो जाते हैं। वोटों की गिनती के बाद आप यह जानने के लिए उत्सुक हो जाते हैं कि चुनाव में किसने विजय प्राप्त की। यह समाचार है जिसे प्राप्त करने में आप थोड़ा भी विलंब स्वीकार नहीं कर सकते।

पाठगत प्रश्न 6.1

1. समाचार के किन्ही चार स्रोतों का उल्लेख करें।

2. NEWS शब्द के प्रत्येक अक्षर क्या स्पष्ट करते हैं?

3. समाचार को परिभाषित करें।

6.2 समाचार तथा सूचना के मध्य अन्तर

आपने रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के आवागमन का समय बताने वाले सूचनापट्ट पर जरूर ध्यान दिया होगा। यह सूचना है समाचार नहीं। लेकिन यह सूचना समाचार बन सकती है। यदि दिये गये ट्रेनों के समय में कोई परिवर्तन होता है तो यह समाचार है।

इसी तरह आयकर के विभिन्न स्तर या स्लैब (slab) समाचार नहीं हैं। लेकिन इन स्तरों में सरकार बढ़ोत्तरी या घटोतरी करती है तो यह समाचार है।

आपने समाचारपत्रों में मौसम सम्बन्धित विवरण जरूर देखें होंगे। यह दिन विशेष का तापमान, वर्षा आदि बताता है। यह समाचार नहीं है। यदि अचानक मौसम में परिवर्तन हो जाय तो यह समाचार होगा। भारी वर्षा से बाढ़ की स्थिति होना या वर्षा नहीं होने से सूखा पड़ना समाचार है।

अतः हम कह सकते हैं कि सूचना समाचार से भिन्न है। समाचार पाठकों, श्रोताओं या दर्शकों को किसी नवीन तथ्य से परिचित कराता है।

6.3 समाचार का आधार

सामान्य तौर पर माना जाता है कि यदि छः सामान्य जिज्ञासाओं का समाधान कोई समाचार करे तो वह समाचार की कसौटी पर पूर्ण माना जाएगा। यह छः सामान्य जिज्ञासाएँ छः ककार हैं। यह छः ककार कब? कहाँ? क्या? क्यों? कौन तथा कैसे हैं?

मान लीजिए आप एक समाचार सुनते हैं कि स्कूल से लौटते समय एक बच्चे का अपहरण हो गया। निश्चित तौर पर आपके मन में यह प्रश्न उठेगा कि कब तथा कहाँ यह घटना घटी? इसके बाद आप पूरा घटनाक्रम जानने के लिए उत्सुक होंगे। फिर आप सोचेंगे कि ऐसा क्यों हुआ? आप अपहरणकर्ताओं के बारे में भी जानना चाहेंगे। वे कौन थे? अंत में जब अपहरण का पूरा समाचार प्राप्त कर लेंगे तब आपकी जिज्ञासा पूरी होगी। जब तक उक्त छः ककारों का उत्तर प्रस्तुत नहीं करते समाचार पूर्ण नहीं होगा।

अपहृत व्यवसायी पुत्र बरामद, अपहर्ता गिरफ्तार

गाजियाबाद।

नगर के प्रमुख व्यवसायी के पुत्र राहुल (7 वर्ष) का स्कूल से लौटते समय अपहरण कर लिया गया। बताया गया है कि राहुल रोज की तरह कार से घर वापस लौट रहा था। नोएडा रोड पर बदमाशों ने कार को ओवरटेक कर रोक लिया और ड्राइवर को हथियारों के बल पर धमकाकर बच्चे को लेकर भाग निकले। ड्राइवर के अनुसार अपहरणकर्ता चार की संख्या में थे और नयी उम्र के लग रहे थे। उसने तुरन्त व्यवसायी को सूचना दी जिन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन किया। पुलिस ने नाकेबंदी करके सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया। दोपहर लगभग दो बजे गाजियाबाद मोड़ पर पुलिस को एक संदिग्ध वैन दिखी जिसमें सवार लोग नाकेबंदी देखकर भागने लगे थे। पुलिस ने कुछ देर पीछा कर बच्चे को बरामद कर लिया और बदमाशों को दबोच लिया।

6.3 : समाचार में छः ककार

पाठगत प्रश्न 6.2

1. उन छः प्रश्नों का उल्लेख करें जिनसे समाचार पूर्ण होता है?

2. उपभोक्ता मूल्य सूचकांक.....(सूचना है। समाचार है।)

6.4 समाचार मूल्य

क्या समाचार है और क्या नहीं, पत्रकार इसके सर्वश्रेष्ठ निर्धारक होते हैं। वे यह निर्णय कुछ निर्धारित मूल्यों के आधार पर करते हैं। अग्रलिखित बिन्दु समाचार मूल्य के प्रमुख आधार हैं:–

- **समयबद्धताः**- कुछ नया ही समाचार है। अतः समयबद्धता समाचार निर्धारण का प्रमुख आधार है। एक माह पूर्व घटित घटना आज के समाचारपत्र के लिए

टिप्पणी

समाचार नहीं है। संस्करणों की आवृत्ति के आधार पर समयबद्धता निर्धारित की जाती है। दैनिक समाचारपत्र के लिए पिछले चौबीस घंटों में घटित घटनाएँ समाचार हैं। लेकिन एक साप्ताहिक के लिए पिछले एक हफ्ते की घटनाओं से समाचार बनता है। एक 24 घंटे प्रसारित समाचार चैनल के लिए हर सेकेंड डेडलाइन है। वे किसी भी समय समाचार दे सकते हैं। अतः उनके लिए समयबद्धता समाचारपत्र से अलग है।

- **प्रभावः-** किसी घटना का प्रभाव भी उसका समाचार मूल्य निर्धारित करता है। जब सुनामी की लहरों से विश्व के अनेक हिस्से प्रभावित हुए, लाखों लोगों पर इसका असर पड़ा। यह पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण खबर बनी। लेकिन यदि चक्रवात से बांग्लादेश में 20 लोगों की मौत होती है तो इसका दुनिया के अन्य हिस्सों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। जब डेंगू बुखार से दिल्ली में 100 लोग प्रभावित होते हैं तो यह केवल दिल्ली ही नहीं अन्य राज्यों के लिए भी महत्वपूर्ण खबर है। इसका प्रभाव व्यापक है तथा अन्य राज्यों के लोग इससे और सतर्क होंगे।

दक्षिण भारत में कंपन तथा ज्वारीय लहरों का आतंक

कंपन तथा ज्वारीय लहरों से दक्षिण भारत में भारी क्षति का समाचार है। सुनामी के चलते भारत के पूर्वी तथा दक्षिणी तटीय इलाकों में 1000 से ज्यादा लोगों की मौत हो गयी है। ज्वारीय लहरों से गुंटूर, तमिलनाडु में हजार से ज्यादा लोग मारे गये हैं। तमिलनाडु इससे सबसे बुरी तरह प्रभावित हुआ है जहाँ लगभग 800 लोगों की मृत्यु हुई है।

तमिलनाडु में 350 लोगों के मरने की पुष्टि हुई है जिसमें से अकेले चेन्नई में 100 से ज्यादा लोग मरे हैं। प्रदेश के कुड्डालोर में 239 लोगों की मौत हुई है जबकि नागपट्टनम मे 273 लोगों के मरने की पुष्टि हुई है।

कलपक्कम स्थित परमाणु उर्जा केन्द्र पानी घुस जाने के बाद सुरक्षित रूप से बंद कर दिया गया। मछुआरों के कई गाँव समुद्र के पानी में जलमग्न हो गये हैं जिससे हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है। कन्याकुमारी स्थित विवेकानन्द स्मारक में 500 टूरिस्टों के फंसे होने की आशंका है।

6.4: समाचार में प्रभाव

- **समीपताः-** 'बर्डफ्लू' फैल रहा है और ब्रिटेन में सैकड़ों मुर्गियां मर रही हैं. क्या यह आपके लिए समाचार है? आप इसे पढ़ेंगे लेकिन बहुत चिन्तित नहीं होंगे। लेकिन बर्ड फ्लू पश्चिम बंगाल में पाँव पसार रहा है, इस खबर से आप सतर्क हो जाएँगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि दूसरी खबर आपके लिए नजदीकी है। यदि पेरू (दक्षिण अमेरिका) में कोई विमान दुर्घटना होती है तो भारत में यह बड़ी खबर नहीं है लेकिन यदि विमान दुर्घटना भारत में होती है तो यह सभी जगह सुर्खियाँ बनेगी। अतः समीपता से समाचार का निर्धारण होता है।

टिप्पणी

आधे से ज्यादा बंगाल बर्ड फ्लू की चपेट में

23 जनवरी, 2008

कोलकाता 23 जनवरी। बुधवार को कूचबिहार तथा हुगली को भी बर्ड फ्लू प्रभावित घोषित कर दिया गया। राज्य में इस महामारी से प्रभावित जिलों की संख्या बढ़ कर नौ हो गयी है। अधिकारियों द्वारा तीन लाख मुर्गों को रोज मार देने के लक्ष्य के बाद भी महामारी फैलती जा रही है।

पशु संसाधन विकासमंत्री अनिसुर रहमान ने बताया कि कूच बिहार तथा हुगली जिलों से हाईरिस्क सिक्योरिटी डिजीजेज लेबोरेटरी भोपाल में जाँच के लिए भेजे गये मुर्गों के नमूनों में कल फ्लू की पुष्टि कर दी गयी। उन्होंने कहा कि केन्द्र द्वारा हमें सूचना मिल गयी है तथा इसके अनुरूप बचाव के उपाय किए जाएंगे। रहमान ने बताया कि संक्रमित नमूने कूचबिहार के दिवहारा तथा हुगली के बालागढ़ से लिए गए थे। मंत्री ने बताया कि अभी किसी इंसान के इससे प्रभावित होने की कोई सूचना नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि शुरू में जो 20 लाख चूजों को मारने का लक्ष्य रखा गया था उसे बढ़ाया जाएगा। अब रोज तीन लाख मुर्गियों को मारने का लक्ष्य रखा गया है। 600 दल आज से इस काम में जुट गए हैं। आठ राज्यों के लगभग 150 तकनीकी दल जिसमें हरियाणा, आसाम, महाराष्ट्र, उड़ीसा तथा झारखंड शामिल हैं, निर्मूलन की इस प्रक्रिया पर नजर रखने के लिए जल्द ही आ रहे हैं।

6.5: समाचार में समीपता

- **विवादः**- लोगों की विवाद में रुचि होती है। संघर्ष, वाद–विवाद, आरोप–प्रत्यारोप, लड़ाई–झगड़े तथा तनाव से खबरें बनती हैं। आप सबने कारगिल के बारे में जरूर सुना होगा। यह भारत तथा पाकिस्तान के बीच संघर्ष था। यह पूरी दुनिया में महत्वपूर्ण समाचार बना। आपको भारत–ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीमों के बीच का विवाद याद होगा। यह सभी जनमाध्यमों के लिए समाचार था। जब न्यूयार्क के वर्ल्ड ट्रेड टावर से आतकंवादियों ने हवाई जहाज टकरा दिए थे तो यह पूरी दुनिया में बड़ी खबर बन गई थी।
- **महत्ताः**- अगर किसी घटना से कोई महत्वपूर्ण व्यक्ति जुड़ा है तो वह खबर हो जाती है। यदि किसी सामान्य व्यक्ति की कार खराब हो जाती है और उसे मरम्मत के लिए 10 मिनट सड़क पर रुकना पड़ता है तो यह खबर नहीं है। लेकिन अगर प्रधानमंत्री की कार खराब हो जाय और उनके काफिले को पाँच मिनट रुकना पड़े तो यह समाचार है। कोई आदमी गाँधी जी की समाधि–स्थल राजघाट पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि देता है, तो यह समाचार नहीं हैं लेकिन अगर अमेरिका के राष्ट्रपति राजघाट आते हैं तो यह समाचार है।

पोप ने टर्की के रूप में पहले मुस्लिम राज्य का दौरा किया

अंकारा, टर्की। पोप वेंडिक्ट सोलहवें ने मंगलवार को आपसी मजहबी विश्वास के लिए भाईचारे तथा संवाद के संदेश के साथ किसी मुस्लिम राष्ट्र का अपना पहला दौरा शुरू किया। टर्की के इस्लामिक प्रमुख ने संयुक्त वक्तव्य में इस अवसर पर कहा कि 'इस्लाम से कथित भय' से सभी मुस्लिमों को दुःख है।

पोप ने कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता आज के समाज में आवश्यक है। उन्होंने सभी धार्मिक नेताओं से मजहब के नाम पर किसी भी प्रकार की हिंसा का विरोध करने को कहा। उन्होंने सीधे इस्लाम का नाम लेने पर सतर्कता बरती। लेकिन मध्यपूर्व में अराजक हिंसा तथा विश्व में खून–खराबा और आतंकवाद पर चिंता व्यक्त की।

पोप का धार्मिक स्वतंत्रता संबंधी बयान वेटिकन को विवादों में ला सकता है। क्योंकि दुनिया के कई राष्ट्रों में केवल मुस्लिमों को ही सार्वजनिक रूप से धार्मिक क्रियाकलापों की अनुमति है या वहाँ धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अनेक पाबंदियां हैं। आगे चार दिन की यात्रा के दौरान यह नजरिया दोबारा विवाद का कारण बन सकता है जब पोप की मुलाकात आर्थोडॉक्स ईसाइयों के आध्यात्मिक गुरु प्रधान धर्माध्यक्ष बार्थोलोमियू से इंस्ताम्बुल से होगी।

टिप्पणी

- **समसामयिकता:-** समाचार समसामयिक घटनाक्रम का विवरण होता है। मान लें भारत में ओलंपिक खेल होते हैं। यह समाचार होगा क्योंकि सभी की इसमें रुचि है। इसी तरह जब दक्षेस समूह के देशों के राष्ट्राध्यक्ष दिल्ली में नयी कार्य योजनाओं के लिए मिलते हैं तो यह खबर है। इसी तरह एक हफ्ते से भीषण ठंड का मौसम जारी है और कुहरे से रेल, हवाई और सड़क यातायात प्रभावित हो जाता है तो यह समाचार है।

- **असामान्यता:-** असामान्य तथ्यों से भी समाचार बनता है। विशिष्ट तथा अप्रत्याशित घटनाओं में लोगों की रुचि होती है। आपने समाचारपत्रों में इस तरह की घटनाओं को बॉक्स में छपे देखा होगा। एक आदमी ने सिर के बालों से कार खींची, एक महिला ने एक साथ छः बच्चों को जन्म दिया, एक गायक ने लगातार 48 घंटे गाकर गिनीज बुक में नाम दर्ज कराया, किसी चित्रकार की कलाकृति ऊँचे दामों पर बिकी यह सभी असामान्य खबरें हैं। असामान्यता से लोगों की रुचि बढ़ती है।

इमली का बाग–एक जैव धरोहर

एम. रघुराम

देवनहल्लीः बंगलुरू ग्रामीण जनपद के देवनहल्ली तालुका के नल्लूर गाँव में कभी इमली के बड़े–बड़े बाग हुआ करते थे। आज यहाँ लगभग 900 वर्ष पुराना, आज भी फल से लदा एक बूढ़ा इमली का पेड़ खड़ा है। यह बाग अब एक जैव धरोहर स्थल बन चुका है और कर्नाटक का वन विभाग गत दो वर्षों से इसकी देखरेख कर रहा है।

बारहवीं सदी के प्रारम्भ में राजेन्द्र चोल के शासनकाल के दौरान रोपे गये हजारों वृक्षों में से यह वृक्ष एक है। इस विशाल इमली के पेड़ के बगल में ही चोल काल के दौरान निर्मित चेन्नकेशव मन्दिर भी स्थित है।

बंगलुरू से 40 किमी. की दूरी पर देवनहल्ली से सुलीबेले मार्ग पर स्थित खंडहरों के साथ यह पेड़ आज भी शान से खड़ा है।

इसका अध्ययन कर रहे जैवतकनीकी विशेषज्ञ डा. भास्कर ने बताया कि यहाँ के कुछ वृक्षों की वृद्धि विशिष्ट देखी गयी है। इन वृक्षों में कुछ प्रॉय जड़ें तथा चूषक जड़ें विकसित कर लिया है जो इमली के पेड़ का लक्षण नहीं है। डॉ. भास्कर ने यह सूचना जून 2004 के 'माई फॉरेस्ट' जर्नल में रिपोर्ट की थी। इसमें देखा गया कि मातृ तने के मृत हो जाने के बावजूद चूषक जड़ों की एक शृंखला उग आयी जो असामान्य ही नहीं अब तक अज्ञात है।

डॉ. भास्कर के अनुसार ऐसी जड़ें मात्र बरगद के पेड़ में पायी जाती हैं और यह पेड़ के क्षैतिज विस्तार में मदद करती हैं। लेकिन इन इमली के पेड़ों में खोखले तने के अन्दर से विशेषीकृत जड़ें उग कर जमीन तक आ गयी हैं जैसे कि पेड़ अपना सहारा खुद बना रहा हो।

6.7: समाचार में असमान्यता

- **भावप्रदता:-** मानवीय अभिरुचि के विषयों से अच्छे समाचार बनते हैं। उदाहरण के तौर पर किसी अपहृत बच्चे को दो हफ्ते की खोज के बाद पुलिस बरामद करती है। बच्चे के परेशान माँ–बाप बच्चे से मिलने आते हैं, तो तीनों के आँसू रोके नहीं रुकते हैं। माँ–बाप और बच्चे के मिलन पर एक चित्र सहित समाचार से एक अच्छा भावप्रवण समाचार बनेगा। पाकिस्तान के किसी बच्ची को डॉक्टर तुरन्त दिल के ऑपरेशन के लिए कहते हैं। बच्ची के गरीब माँ–बाप के पास इलाज का

खर्च वहन करने की कूबत नहीं है। ऐसे में पूर्वी दिल्ली रोटरी क्लब 'जीवन का उपहार' योजना के तहत बच्ची के इलाज का खर्च उठाता है। बच्ची भारत आती है और उसका ऑपरेशन कामयाब होता है। घर जाते हुए बच्ची और माँ–बाप भारत और भारतीयों के प्रति अपनी कृतज्ञता का इजहार करते हैं। इससे एक अच्छा मानवीय अभिरुचि का समाचार बनता है।

- **उपयोगिता:-** कई बार समाचार लोगों की मदद करने वाले साबित होते हैं। आपने ध्यान दिया होगा कि मौसम में गड़बड़ी की आशंका वाले समय में मौसमवेत्ता मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह देते हैं। समाचारपत्र जनता की मदद के लिए पुलिस स्टेशन, अस्पताल, एंबुलेंस, सरकारी अधिकारियों आदि के फोन नंबर प्रकाशित करते हैं। आपने समाचारपत्रों में यह भी देखा होगा कि किसी गंभीर हालत में भर्ती मरीज के लिए उनके करीबी रक्तदान की अपील करते हैं। समाचारपत्र राष्ट्रीय आपदाओं जैसे भूकंप, सुनामी आदि के लिए राहत कोष में जनता से पैसा इकट्ठा करते हैं।

- **शैक्षिक महत्व:-** समाचार का शैक्षणिक महत्व भी होता है। लगभग हर समाचारपत्र में आपको शैक्षणिक तथा रोजगार सम्बन्धी सूचनाएँ जरूर मिलेंगी। इससे आपको विविध पाठ्यक्रमों, रोजगार के अवसरों, छात्रवृत्ति, शैक्षणिक वित्त, उच्च शिक्षा आदि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है। इन समाचारों से आपकी जानकारी के स्तर में इजाफा होता है।

पाठगत प्रश्न 6.3

1. आप समाचार में समसामयिकता से क्या समझते हैं?
2. उन पाँच बिन्दुओं का उल्लेख करें जिनके आधार पर पत्रकार समाचार का महत्व निर्धारित करता है।
3. किन्ही दो विवादप्रधान समाचारों को प्रस्तुत करें।

6.5 समाचार के प्रकार

नीचे समाचारपत्रों में प्रकाशित कुछ शीर्षक दिए गये हैं–

क) अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रचार अभियान शुरू।

ख) मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।

ग) उ.प्र. की मुख्यमंत्री ने 200 अधिकारियों का तबादला किया।

घ) करोलबाग में व्यापारी से लूट।

उपरोक्त चारों समाचार हैं। लेकिन क्या सभी एक ही श्रेणी के समाचार हैं? क्या आप इनमें कोई अन्तर स्थापित कर सकते हैं?

हम इन्हें चार प्रकारों में बाँट सकते हैं–

क) अन्तरराष्ट्रीय समाचार

ख) राष्ट्रीय समाचार

ग) क्षेत्रीय समाचार

घ) स्थानीय समाचार

क्रियाकलाप 6.1:- *कोई भी समाचारपत्र लीजिए और इन चारों प्रकारों की उनमें पहचान कीजिए। यह आपके लिए एक रुचिपूर्ण अनुभव होगा।*

ऊपर वर्णित प्रकारों के अतिरिक्त समाचारपत्रों में आपने अर्थव्यवस्था, राजनीति, खेल, अपराध आदि से जुड़े समाचार जरूर देखे होंगे। यह विषय हैं जिनके आधार पर भी समाचारों के प्रकार बनते हैं जैसे राजनैतिक, आर्थिक, खेल, अपराध समाचार।

समाचार को हम 'हार्ड तथा सॉफ्ट' समाचार के रूप में भी बाँट सकते हैं। 'भारत तथा पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे पर द्विपक्षीय बातचीत करेंगे' यह 'हार्ड' समाचार है। इसी प्रकार संयुक्त राज्य से परमाणु समझौते पर प्रधानमंत्री का संसद में बयान भी 'हार्ड' समाचार का उदाहरण है।

इसके साथ ही 'सॉफ्ट' समाचार भी होते हैं। किसी फिल्मी सितारे का विवाह समारोह 'सॉफ्ट' समाचार है। किसी क्रिकेट सितारे का अनाथालय में जाना और वहाँ बच्चों के साथ भोजन करना भी दिल को छू लेने वाला 'सॉफ्ट' समाचार है।

6.6 विश्वसनीयता, वस्तुनिष्ठता तथा निष्पक्षता:-

पत्रकार केवल सूचनाएँ इकट्ठा नहीं करता है बल्कि प्रकाशन से पूर्व उनकी छानबीन भी करता है। इसे हम 'तथ्य–परीक्षण' कहते हैं। पत्रकार ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि वे निष्पक्ष, वस्तुनिष्ठ तथा विश्वसनीय समाचार देना चाहते हैं।

वस्तुनिष्ठता से हमारा अभिप्राय बिना किसी भेदभाव से है। पत्रकार समाचार संकलन करते समय बहुत दबाव में होता है। व्यक्तिगत, वैचारिक, राजनैतिक या आर्थिक खतरे होते हैं जिससे वह प्रभावित हो सकता है। जब पत्रकार इन आग्रहों से बचकर तटस्थ होकर समाचार देता है तो वह वस्तुनिष्ठता है।

निष्पक्षता एक अन्य गुण है जो किसी भी पत्रकार के लिए आवश्यक है। हर समाचार के दो पक्ष होते हैं। समाचार प्रस्तुत करते समय पत्रकार को किसी एक पक्ष की बात नहीं रखनी चाहिए। अगर वह किसी व्यक्ति, संगठन या संस्थान के खिलाफ कुछ लिख रहा है, तो उसे उनका भी वक्तव्य लेना चाहिए। इससे समाचार में संतुलन पैदा होता है।

विश्वसनीयता किसी भी समाचारपत्र समाचार चैनल या रेडियो सेवा के लिए सबसे महत्वपूर्ण होती है। एक पाठक विश्वसनीयता के चलते ही किसी समाचारपत्र पर विश्वास करता है। यदि कोई समाचारपत्र अविश्वसनीय या संदिग्ध, पक्षपातपूर्ण तथा भेदभावपूर्ण समाचार प्रकाशित करता रहे तो लोग उस समाचारपत्र को पढ़ना छोड़ देंगे। एक समाचारपत्र सैकड़ों–हजारों लोगों द्वारा पढ़ा जाता है। यदि कोई गलत समाचार छप जाता है तो अगले दिन उसका खंडन या भूल–सुधार अवश्य छापना चाहिए। बहुत सारे पाठक भूल–सुधार को नहीं देख पाते हैं। यदि समाचार की विश्वसनीयता क्षीण होती है, तो लोगों की नजर में उसका महत्व कम हो जाता है।

पाठगत प्रश्न 6.4

1. अन्तरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय समाचारों के दो उदाहरण दें।
2. क्षेत्रीय तथा स्थानीय समाचारों के दो उदाहरण दें।
3. समाचार में विश्वसनीयता से आप क्या समझते हैं?

6.7 हथियार के रूप में समाचार : सकारात्मक तथा नकारात्मक

समाचार महत्वपूर्ण हथियार है। यह सकारात्मक भी हो सकता है तथा नकारात्मक भी। आपने सुना होगा कि गुड़गाँव, हरियाणा में कक्षा आठ के विद्यार्थी ने अपने सहपाठियों को गोलियों से भून दिया। यह समाचार हतप्रभ कर देने वाला था। यह नकारात्मक समाचार भी था।

आपने यह भी पढ़ा होगा कि शहर में सांप्रदायिक झगड़े में दो लोगों की मौत हो गयी। यह भी नकारात्मक समाचार है। इस समाचार से देश के अन्य भागों में भी सांप्रदायिक झगड़े हो सकते हैं। नकारात्मक समाचार का असर भी नकारात्मक होता है।

लेकिन आप दैनिक समाचारपत्र को ध्यान से देखें तो उसमें सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के समाचार होते हैं। यदि किसी विद्यालय के छात्र पास के गाँव में जाकर सड़क निर्माण के लिए श्रमदान करते हैं, तो यह सकारात्मक समाचार है। यदि फुटपाथ के बच्चों के लिए काम करने वाली संस्था पर समाचार छपता है, तो यह भी सकारात्मक समाचार है।

समाचार विकास का उपकरण भी है। इसमें कई बार जनता के लिए संदेश रहता है। उदाहरण के तौर पर सरकार द्वारा स्नातक तक की पढ़ाई के लिए फीस में छूट का समाचार। यह एक विकास समाचार है। यह स्पष्ट करता है कि लाखों बच्चों के लिए सरकार उच्च शिक्षा की व्यवस्था करेगी जो आर्थिक कारणों से इसे अर्जित करने में सक्षम नहीं हैं।

क्रियाकलाप 6.2:- *एक हफ्ते का समाचारपत्र लें और उसमें से सकारात्मक तथा नकारात्मक समाचार छाँटें।*

टिप्पणी

6.8 आपने अभी तक क्या सीखा

समाचार की परिभाषा।

समाचार तथा सूचना के बीच अन्तर।

समाचार के निर्धारक कारक।

- कब?
- कहाँ?
- क्या?
- क्यों?
- कौन?
- कैसे?

समाचार मूल्यः–

- समयबद्धता
- प्रभाव
- निकटता
- विवाद
- महत्ता
- समसामयिकता
- असामान्यता
- उपयोगिता
- शैक्षिक मूल्य

समाचार के प्रकार

- राष्ट्रीय
- अन्तरराष्ट्रीय
- क्षेत्रीय
- स्थानीय
- हार्ड
- सॉफ्ट

वस्तुनिष्ठता, निष्पक्षता तथा विश्वसनीयताः–

हथियार के रूप में समाचार–सकारात्मक तथा नकारात्मक